



॥ श्री सूर्य देव व्रत कथा ॥  
सुख संपत्ति बढत सदा, मिटत सकल  
दुख भारी

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

## ॥ श्री सूर्य देव व्रत कथा ॥

प्राचीन समय की बात है। एक नगर में एक वृद्धा प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति से सूर्य देव का व्रत और पूजा किया करती थी। वह प्रत्येक रविवार को प्रातः स्नान करके सूर्य देव को जल अर्पित करती, दीप जलाती और पूरे दिन उपवास रखती थी।

सूर्य देव की कृपा से उसके घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती थी। वृद्धा के पड़ोसी उसकी श्रद्धा देखकर ईर्ष्या करते थे। एक दिन उन्होंने वृद्धा की गाय को छिपा दिया, जिससे वह गोबर से घर लीप नहीं सकी और दुखी होकर बिना भोजन किए ही सूर्य देव का स्मरण करती रही।

वृद्धा की सच्ची भक्ति देखकर सूर्य देव प्रसन्न हुए। अगले दिन उसकी गाय वापस मिल गई और उसके घर में धन-धान्य की वृद्धि होने लगी। यह देखकर नगर के लोग भी सूर्य देव की पूजा और व्रत करने लगे।

कुछ समय बाद उस नगर के राजा को भी यह ज्ञात हुआ कि सूर्य देव की कृपा से वृद्धा का जीवन सुखमय हो गया है। राजा ने भी श्रद्धापूर्वक सूर्य व्रत प्रारंभ किया। धीरे-धीरे पूरे राज्य में सुख, शांति और समृद्धि फैल गई।

तब से यह मान्यता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और नियमपूर्वक रविवार का व्रत करता है और सूर्य देव को अर्घ्य देता है, उसकी सभी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं तथा रोग, शोक और कष्ट दूर होते हैं।

लाल पुष्प और अक्षत अर्पित करें।

## ॥ व्रत विधि ॥

रविवार को प्रातः जल्दी उठकर स्नान करें।  
स्वच्छ लाल या पीले वस्त्र पहनें।  
तांबे के लोटे से सूर्य देव को जल अर्पित करें।  
लाल फूल, गुड़ और गेहूँ अर्पित करें।  
सूर्य मंत्र या सूर्य चालीसा का पाठ करें।  
दिन में एक समय सात्विक भोजन करें।

## ॥ सूर्य मंत्र ॥

ॐ हां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः ॥

## ॥ व्रत का फल ॥

आरोग्य और दीर्घायु  
मान-सम्मान में वृद्धि  
आत्मविश्वास और तेज  
करियर एवं सफलता  
ग्रह दोषों की शांति

## ॥ जय सूर्य नारायण भगवान ॥

PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR